

4 सामाजिक सहजीकरण प्रभाव क्या है? उदाहरण सहित इसकी विवेचना करें।

What is social facilitation effect? Explain with example.

उत्तर- सामाजिक सहजीकरण व्यवहार पर पड़ने वाला एक प्रकार का समूह या सामाजिक प्रभाव है। दूसरे शब्दों में, समूह की उपस्थिति का निष्पादन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को सामाजिक सहजीकरण कहते हैं।

जब किसी कार्य को व्यक्ति अकेले करता है तो निष्पादन की मात्रा कम होती है और जब दूसरे लोगों के साथ मिलकर करता है तो निष्पादन की मात्रा में वृद्धि हो जाती है। किन्तु यह प्रभाव हमेशा धनात्मक ही रहे यह आवश्यक नहीं है। सामूहिक परिस्थिति में निष्पादन अच्छा भी हो सकता है और बाधित भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कोई व्यक्ति अभ्यास एवं व्यायाम के लिए प्रतिदिन एक निर्धारित मापदण्ड के अनुसार प्रातः काल दौड़ लगाता है वही व्यक्ति जब किसी दूसरे धावकों के साथ प्रतिस्पर्धा में दौड़ता है तो उसकी दौड़ की गुणवत्ता एवं दर में अन्तर होता है। यह निश्चित है कि प्रतिस्पर्धा की अवस्था में वह अधिक तज दौड़ेगा इस प्रकार हम सभी एक दूसरे के व्यवहार से प्रभावित होते रहते हैं। इतना ही नहीं दूसरों की अनुपस्थिति में हमारे व्यवहार में अन्तर आ जाता है। उदाहरणार्थ सामूहिक भोज में हम अकेले की तुलना में अधिक खा लेते हैं।

आलपोर्ट (Allport) ने अपने अध्ययन में पाया कि समूह में काम करने पर निष्पादन पर अच्छा प्रभाव पड़ा जबकि अकेले की परिस्थिति में निष्पादन कम हो गया। दूसरों की उपस्थिति में निष्पादन क्यों प्रभावित होता है इसके तीन कारण बताये गये हैं-

(i) दूसरों की उपस्थिति में व्यक्ति ऊर्जान्वित होता है या तीव्र उद्वेलन का भाव उत्पन्न करता है जिससे निष्पादन बढ़ जाता है।

(ii) सामाजिक सहजीकरण के प्रभाव का दूसरा कारण दूसरे के द्वारा मूल्यांकित किये जाने का बोध है। जो इसे उद्वेलित करता है।

(iii) तीसरा कारण है- आत्म प्रस्तुति या दूसरों के सामने अपने को अच्छा दिखाना है। उदाहरण के लिए, कक्षा में श्रोताओं के समूह के समक्ष जब किसी व्यक्ति को पहली बार मंच पर भाषण देना होता है तो दूसरों के द्वारा मूल्यांकित किये जाने के भय से चिंतित हो जाते हैं परिणामस्वरूप उनका प्रदर्शन खराब हो जाता है लेकिन किसी-किसी छात्र में यह चिन्ता उन्हें अधिक सक्रिय बनाती है जिससे वे अच्छा आत्मप्रस्तुति करने में सफल होते हैं।

5 आप अपने व्यवहार में प्रायः सामाजिक अनुरूपता का प्रदर्शन कैसे करते हैं ? सामाजिक अनुरूपता के कौन-कौन से निर्धारक हैं ?

How often do you show conformity in your behaviour? What are the determinants of social conformity?

अथवा (Or), सामाजिक अनुरूपता के निर्धारक तत्वों का वर्णन करें।

Explain the determining elements of social conformity.

उत्तर- हम अपने व्यवहार में प्रायः सामाजिक अनुरूपता का प्रदर्शन यूनियफार्म से स्कूल जाने, खेल के मैदान में खेल के नियमों को अपनाने, समाज की आशा के अनुसार विभिन्न परिस्थितियों में व्यवहार करने, गाड़ी चलाते समय ट्रैफिक नियमों को अपनाने, पूजास्थल पर प्रवेश करते समय स्वीकृत कृत्यों (जैसे हाथ-पैर धोना) को करने या विद्यालय के मानकों का पालन करने आदि के माध्यम से करते हैं।

सामाजिक अनुरूपता के निर्धारक (Determinants of Social Conformity)-

(i) समूह का आकार- समूह का आकार छोटा होने पर अनुरूपता अधिक पायी जाती है क्योंकि छोटे समूह में उन सदस्यों की पहचान आसान होती है जो अनुरूपता

प्रदर्शित नहीं करते। परन्तु एक बड़े समूह में अधिकांश सदस्यों के बीच प्रबल सहगति होने पर वह समूह शक्तिशाली होता है।

- (ii) **अल्पसंख्यक समूह का आकार**— यदि अल्पसंख्यक समूह में असहमत अथवा विसामान्य सदस्य अधिक होंगे तो अनुरूपता की संभावना कम होती है।
- (iii) **कार्य की प्रकृति**— किसी से यदि ऐसा प्रश्न किया जाय जिसके उत्तर की जाँच की जा सकती है अर्थात् उसे सही या गलत बताया जा सकता है और किसी से यदि कोई विषय पर राय माँगी जाय जिसमें गलत या सही विचारने की संभावना न हो तो दूसरे मामले में अनुरूपता कम होगी अर्थात् दिये गये कार्य की प्रकृति अनुरूपता का निर्धारण करती है।
- (iv) **व्यवहार की सार्वजनिक या व्यक्तिगत अभिव्यक्ति**— व्यक्तिगत अभिव्यक्ति में सार्वजनिक अभिव्यक्ति की अपेक्षा कम अनुरूपता पायी जाती है।
- (v) **व्यक्तित्व**— कुछ व्यक्तियों का व्यक्तित्व अनुरूपतापरक होता है अर्थात् अधिकांश स्थितियों में जो दूसरे लोग कहते या करते हैं वे भी उसके अनुसार अपना व्यवहार परिवर्तित कर लेते हैं। ऐसे व्यक्तियों में अधिक अनुरूपता होती है। इसके विपरीत कुछ व्यक्तियों में स्वतंत्र रूप से सोचने और तदनुसार काम करने की प्रवृत्ति होती है। वे दूसरों की सोच और व्यवहार से प्रभावित नहीं होते। ऐसे व्यक्तियों में अनुरूपता प्रदर्शित करने की संभावना कम होती है।